लकीर | by Sachin Agrawal

मेरे दोनों हाथों में ऐसी लकीर है
तुझसे मिलन होगा मेरी तक़दीर है
लिखा है ऐसा लेख ओ बाबा लिखा है ऐसा लेख

लिखता है लिखने वाला सोच समझ के
मिलना बिछड़ना बाबा होता समय पे
इसमें मीन ना मेख ओ बाबा इसमें मीन न मेख
लिखा है ऐसा लेख ओ बाबा लिखा है ऐसा लेख
मेरे दोनों हाथों में ----------

किस्मत का लेख कोई मिटा नहीं पायेगा
कैसे मिलन होगा समय ही बताएगा
मिटती नहीं है रेख ओ बाबा मिटती नहीं है रेख
मेरे दोनों हाथों में ----------

ना वो दिन रहे ना ये दिन रहेंगे
बनवारी देख लेना जल्द ही मिलेंगे
इन हाथों को देख ओ बाबा इन हाथों को देख
लिखा है ऐसा लेख ओ बाबा लिखा है ऐसा लेख
मेरे दोनों हाथों में ----------

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b2%e0%a4%95%e0%a5%80%e0%a4%b0-by-sachin-agrawal/